विलियम ब्लेक (William Blake)

विलियम ब्लेक (William Blake) को कल्पना, रहस्य और वद्रोह का चत्रकार-क व माना जाता है वे अठारहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी में इंग्लिश कला और साहित्य के एक अद् वतीय व्यक्तित्व थे। वे सर्फ चत्रकार ही नहीं, बल्कि क व, दार्शनिक और रहस्यवादी वचारक भी थे। उनका जन्म 28 नवम्बर 1757 को लंदन में हुआ था और उनकी मृत्यु 12 अगस्त 1827 को हुई। ब्लेक ने एक ऐसे युग में जन्म लया था जब यूरोप में औद्यो गक क्रांति, वज्ञान का उत्थान और धा र्मक संस्थानों की आलोचना ज़ोरों पर थी। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से इन सामाजिक, धा र्मक और राजनीतिक संरचनाओं को चुनौती दी और एक ऐसी काव्यात्मक तथा चत्रात्मक भाषा का निर्माण कया जो आज भी रहस्य, प्रतीकवाद और स्वतंत्रता की गूंज से भरी हुई है।

ब्लेक की कला और क वता दोनों में उनके ष्टिकोण की मौ लकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे पारंपरिक यथार्थवाद से हटकर, कल्पना और आध्यात्मिक अंत ष्टि के सहारे एक वैकल्पिक ब्रह्मांड की रचना करते हैं। उन्होंने कला को केवल श्य सौंदर्य का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे आध्यात्मिक ज्ञान, आत्मा की मुक्ति और ईश्वर से संवाद का एक माध्यम बनाया।

प्रारं भक जीवन

ब्लेक का झुकाव बचपन से ही चत्रकला और क वता की ओर था। उनके पता एक साधारण दुकानदार थे, जिन्होंने William को औपचारिक स्कूली शक्षा देने की बजाय उन्हें घर पर ही पढ़ाया। 10 वर्ष की उम्र में Blake ने चत्रकला की शक्षा लेना शुरू कया और बाद में एक उत्कीर्णक (engraver) के रूप में प्र श क्षत हुए। यह प्र शक्षण उनके पूरे करियर के लए अत्यंत महत्वपूर्ण सद्ध हुआ, क्यों क Blake ने अपनी अ धकांश पुस्तकें स्वयं चत्रित और प्रका शत कीं, जिन्हें उन्होंने "Illuminated Printing" की अद् वतीय तकनीक से सजाया।

कलागत ष्टिकोण और वशेषताएँ

ब्लेक की कला गहरे प्रतीकात्मक, रहस्यात्मक और व्यक्तिगत दर्शन से परिपूर्ण थी। उनके लए कल्पना केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं थी, बल्कि एक दिव्य शक्ति थी – जिसे उन्होंने "Divine Imagination" कहा। उनका मानना था क केवल कल्पना के माध्यम से मनुष्य सत्य, स्वतंत्रता और ईश्वर के साक्षात्कार तक पहुँच सकता है।

उनकी चत्रकला में शास्त्रीय आकृतियों की गरिमा, रोमैंटिक भावनाओं की तीव्रता और आध्यात्मिक प्रतीकों की गहराई दिखाई देती है। Blake ने अपने चत्रों में प्राचीन मथकों, बाइबिल के कथानकों, और अपने स्वयं के र चत प्रतीकों का उपयोग कया। उन्होंने रेखाओं

की सटीकता, रंगों की सूक्ष्मता और रचनात्मकता के माध्यम से एक ऐसे श्य जगत की रचना की जो रहस्यमयी और दार्शनिक दोनों था।

उनकी कला अकसर पारंपरिक तकनीकों से अलग होती थी। उन्होंने उत्कीर्णन, हाथ से रंग भरने, और लथोग्राफी जैसी वधाओं में प्रयोग कए। वे श्य और शब्द – दोनों को एक साथ रखने में वश्वास करते थे, इस लए उनकी अ धकांश रचनाएँ चत्र और क वता का एक समावेश होती थीं।

प्रमुख कृतियाँ

Songs of Innocence and of Experience
यह Blake की सबसे प्र सद्ध काव्य- चत्र पुस्तकों में से एक है, जिसे उन्होंने 1789 में *Songs of Innocence* के रूप में और फर 1794 में *Songs of Experience* के रूप में वस्तार दिया। इसमें उन्होंने दो वरोधी अवस्थाओं – मासू मयत और अनुभव – को चत्र और क वता के माध्यम से प्रस्तुत कया।

The Lamb जैसी क वताओं में कोमलता और ईश्वरीय प्रेम का भाव है, वहीं *The Tyger* में एक शक्तिशाली और भयावह सृजन का चत्र है – "Did he who made the Lamb make thee?"। इन दोनों क वताओं के साथ बनाए गए चत्र भावनात्मक गहराई और प्रतीकों से परिपूर्ण हैं, जो क वता के अर्थ को और भी सशक्त बनाते हैं।

The Ancient of Days
यह Blake की सबसे प्रतिष्ठित चत्र कृतियों में से एक है, जिसमें एक दिव्य प्राणी को कम्पास के साथ वश्व की रचना करते हुए दर्शाया गया है। यह चत्र उनके ग्रंथ *Europe a Prophecy* का हिस्सा है और इसमें "Urizen" नामक एक मथकीय पात्र को दर्शाया गया है, जो तर्क और नियमों का प्रतिनि धत्व करता है। यह Blake की उस आलोचना का प्रतीक है जिसमें उन्होंने तर्क और व्यवस्था को मानव आत्मा पर एक बंधन के रूप में देखा।

The Great Red Dragon Series
Blake ने बाइबिल की *Book of Revelation* से प्रेरित होकर *The Great Red Dragon* ंखला बनाई। इन चत्रों में उन्होंने भव्य और भयावह ड्रैगन आकृति को आध्यात्मिक युद्ध के प्रतीक के रूप में दर्शाया। इस ंखला में अलौ कक शक्ति, भय और आध्यात्मिकता का असाधारण संयोजन देखने को मलता है। चत्र जैसे *The Great Red Dragon and the Woman Clothed with the Sun* आज भी रहस्यवादी कला का प्रतीक माने जाते हैं।

Jerusalem, The Emanation of the Giant Albion
यह Blake का सबसे बड़ा और जटिल कार्य है, जिसमें उन्होंने Albion नामक एक प्रतीकात्मक पुरुष और उसके चार ज़ोआ (Zoa – Blake की र चत आत्मिक शक्तियाँ) के माध्यम से मानव

आत्मा के पतन और पुनरुत्थान की कथा रची। *Jerusalem* में Blake ने अपने मथकीय ब्रह्मांड को क वता और चत्रों के माध्यम से वस्तार दिया, जो स्वप्न और दार्शनिक चंतन का अद् वतीय मश्रण है।

ब्लेक का दर्शन और आध्यात्मिकता

ब्लेक परंपरागत धर्म और तर्कवाद के घोर आलोचक थे। उन्होंने स्था पत गरजाघरों और औपचारिक धा र्मकता को आत्मा की स्वतंत्रता के वरोधी के रूप में देखा। उनके अनुसार, ईश्वर केवल आकाशीय सत्ता नहीं, बल्कि मानव कल्पना में निवास करता है। उन्होंने ईसा मसीह को 'Divine Humanity' के रूप में देखा, जो प्रेम, करुणा और रचनात्मकता का प्रतीक हैं।

वे रहस्यवादी थे, तथा स्वप्न, दर्शन और अंत ‘ष्टि को ईश्वरीय प्रकाश की झलक मानते थे। उनका का कहना था – "If the doors of perception were cleansed, everything would appear to man as it is – infinite."

ब्लेक का जीवन भले ही गरीबी और उपेक्षा में बीता, ले कन उनकी मृत्यु के बाद उन्हें धीरे-धीरे वह मान्यता मलने लगी जिसके वे सच्चे अ धकारी थे। उनके वचारों ने न केवल कला बल्कि साहित्य, मनो वज्ञान और धा र्मक चन्तन को भी प्रभा वत कया। आज उन्हें Romantic युग के अग्रदूतों में गना जाता है और आधुनिक प्रतीकवादी व अमूर्त कला में उनके दर्शन की गूँज सुनी जा सकती है। उनके कार्यों का संग्रह अब प्रमुख संग्रहालयों जैसे British Museum और Tate Britain में संर क्षत है। उनकी कला ने बाद के कलाकारों, क वयों और वचारकों – जैसे Dante Gabriel Rossetti, William Morris, और Allen Ginsberg – को अत्य धक प्रेरित कया।

ब्लेक की कल्पना ने सीमाओं को तोड़ा और सत्य, सौंदर्य और ईश्वर की खोज को कला और क वता में समाहित कर दिया। उन्होंने श्य और शब्द, स्वप्न और यथार्थ, मानव और दिव्यता – इन सभी के बीच की दीवारें गरा दीं। उनकी कला और काव्य इस बात के परिचायक हैं क आत्मा की स्वतंत्रता, सृजनात्मकता और कल्पना ही सच्चे अर्थों में मुक्ति के द्वार खोलती है। वे न केवल एक कलाकार थे, वे एक युगद्रष्टा भी थे ।